समाचार

बिहार मेनोनाइट मण्डली ने अखिल भारतीय मेनोनाइट महिला सम्मेलन की मेजबानी की

बिहार मेनोनाइट मण्डली की महिला बहनें पारम्परिक नृत्य व बाजों के साथ अन्य स्थानों से इस कार्यक्रम में भाग लेने आई मेनोनाइट कलीसियाओं की बहनों का स्वागत करते हुए व शामियाना की ओर बढ़ते हुए। फोटो: सिंथिया पीकॉक

जारी करने का दिनाँक: शुक्रवार, 18 नवम्बर 2016

वर्षा की एक हल्की फुहार के बाद फूलों की बारिश हुई जैसे ही महिला बहनें बाजों की ताल पर नाचते व झूमते हुए शमियाना तक पहुँची जिसकी छाँव में ऑल इण्डिया मेनोनाइट विमेन कॉन्फ्रेंस (एआईएमडब्लूसी) 6–9 अक्टूबर तक सम्पन्न होने वाला था। बिहार मेनोनाइट मण्डली (बीएमएम) कलीसिया ने लगभग 400 महिला बहनों की मेजबानी की जो भारत और नेपाल की नौ राष्ट्रीय कलीसियाओं/कॉन्फ्रेंस का प्रतिनिधित्व करते हुए बसों, ट्रेनों, और यहाँ तक कि पैदल भी झारखण्ड, चाँदवा के मिशन कम्पाउंड में एआईएमडबल्यूसी में भाग लेने आई थीं।

''महिला बहनें हताश नहीं हुईं, परन्तु वे पूरी तरह से सज–धज कर शामियाना के नीचे इकट्ठी हुईं, और परमेश्वर की स्तुति और धन्यवाद के गीत गाये क्योंकि उसने उन्हें इस स्थान तक सुरक्षित पहुँचाया था।'' यह जानकारी एआईएमडबल्यूसी की कार्यकारिणी समिति की सदस्या श्रीमती रंजना नाथ ने दी।

मुख्य वक्ता और मेनोनाइट वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस की उपाध्यक्ष केन्या की श्रीमती रबेका ओसिरो ने इब्रानियों 12 से आत्मिक भोजन और धीरज के विषय पर वचन से प्रचार किया। श्रीमती ओसिरो ने उन्हें दिए गए विषयों को इतनी अच्छी तरह से समझाया कि श्रीमती सिंथिया पीकॉक के अनुसार, भाषाई और सांस्कृतिक अन्तर के बाद भी ''एक एक बहन उनकी बातों को अच्छी तरह से समझ गई।''

क्रिस्टा वन्डरहाऊट, जो साल्ट कार्यक्रम के तहत एमसीसी की इन्टर्न है, के अनुसार ''ओसिरो ने हमें यह समझाया कि हम किस तरह से उन बातों के बीच में अन्तर को पहचान सकें जो हमारी चाल को बाधित करती है और जो बातें हमें आगे बढ़ने से रोकती और उलझाती हैं।''

इस कॉन्फ्रेंस में सामूहिक गीतों, उपदेशों, लघु नाटिकाओं, नृत्य और छोटे समूहों में बाइबल अध्ययन के द्वारा आत्मिक उन्नति को बढ़ावा दिया गया, साथ ही महिला स्वास्थ्य जैसे व्यावहारिक मुद्दों पर भी कार्यशालाएं आयोजित की गईं।अनेक प्रतिभागियों को स्तन कैंसर और रजोनिवृत्ति जैसे विषयों पर जानकारी हासिल करने का अन्य अवसर नहीं मिलता।

एमडबल्यूसी दक्षिण एशिया क्षेत्रीय प्रतिनिधि श्रीमती सिंथिया पीकॉक ने बताया, ''पिछले तीन वर्षों में कलीसियाओं में अपनी यात्रा के दौरान, एमडबल्यूसी के बारे में कलीसियाओं को जानकारी देने के साथ साथ, मैंने महिलाओं को प्रोत्साहित किया कि वे इस कॉन्फ्रेंस में भाग लेने को अवश्य आए।''

वे आगे बताती हैं, ''इतनी बड़ी संख्या में लोगों को इस कॉन्फ्रेंस में शामिल होते हुए देखना सचमुच अत्यंत संतुष्टि देने वाला पल था,'' उन्होंने समिति के रूप में सेवा करने वाली ''अत्यंत योग्य महिला बहनों'' के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देते हुए कहा, ''जिस तरह से हम बहुत सी बाधाओं को दूर कर सके उसके लिए हम परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं।''

श्रीमती रंजना नाथ ने बताया, ''बीएमएम कॉन्फ्रेंस सदस्यों और युवाओं ने इस कॉन्फ्रेंस की सफलता में एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।'' इस कार्यक्रम में, सभी 11 भूतपूर्व पदाधिकारियों का सम्मान किया गया जिन्होंने एआईएमडबल्यूसी के आरम्भ 1977 से लेकर अब तक इस समिति को अपनी सेवाएं दी थी।

आर्थिक साझेदार एमडबल्यूसी, मेनोनाइट सेन्ट्रल कमेटी भारत और मेनोनाइट क्रिश्चन सर्विस फैलोशिप ऑफ इण्डिया (एमसीएसएफआई) के प्रतिनिधियों ने प्रतिभागियों का अभिवादन करते हुए अपनी सेवाओं के बारे में जानकारी प्रस्तुत की।

श्रीमती रंजना नाथ ने बताया, ''एमसीसी, एमडब्लयूसी और एमसीएसएफआई, और दानदाताओं के द्वारा दिए गए आर्थिक सहयोग के द्वारा, यह आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न किया जा सका।''

क्रिस्टा कहती हैं, ''एक साथ मिलकर आराधना और प्रार्थना के एक समय के रूप में, जायकेदार भोजन और चाय का लुफ्त उठाते हुए . . . और हमें एक साथ लाने वाले विभिन्न तरीकों का आपस में आदान प्रदान करना अत्यंत प्रोत्साहित करने वाली बात थी।''

रंजना नाथ, सिंथिया पीकॉक, और क्रिस्टा वॉन्डरहाऊट के द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर कार्ला ब्राऊन द्वारा मेनोनाइट वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस विज्ञप्ति

भाग लेने वाले कॉन्फ्रेंसों की सूची

1. भारतीय जुक्तो क्रिस्टा प्रचार मण्डली
2. भारतीय जनरल कॉन्फ्रेंस मेनोनाइट चर्च
3. बिहार मेनोनाइट मण्डली
4. ब्रदरन इन ख्राइस्ट चर्च सोसाइटी – भारतीय क्रिस्तिया मण्डली
5. ब्रदरन इन ख्राइस्ट चर्च, उड़ीसा
6. नेपाल ब्रदरन इन ख्राइस्ट चर्च/ब्रदरन इन कम्युनिटी वेलफेयर सोसाइटी
7. गिलगाल मिशन ट्रस्ट
8. मेनोनाइट चर्च इन इण्डिया धमतरी (छत्तीसगढ़)
9. द गवर्निंग कॉन्सिल ऑफ द कॉन्फ्रेंस ऑफ द मेनोनाइट ब्रदरन चर्च ऑफ इण्डिया